प्रयोग क्रमांक – 4

क्रमकि स्थिति प्रभाव

भूमिका :– अधिगम का अर्थ

अधिगम को सामान्य बोल–चाल की भाषा मे सीखना कहा जाता है। सीखना एक बहुत ही व्यापक तथा महत्वपूर्ण शब्द है। सामान्य अर्थ में सीखना व्यवहार में परिवर्तन को कहा जाता है।

सभी तरह के व्यवहार में परिवर्तन को सीखना नहीं कहते है मनोविज्ञान में सीखने से तात्पर्य उन्हीं परिवर्तनों से है जो अभ्यास या अनुभूति के फलस्वरूप होता है जिसका उद्देश्य व्यक्ति के समायोजन में मदद करना होता है।

परिभाषाएँ :–

1. मार्गन (1986) के अनुसार :– अभ्यास या अनुभूति के परिणाम स्वरूप व्यवहार में होने वाले अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन को सीखना कहा जाता है।
2. किम्बल (1988) के अनुसार :– सीखना व्यवहार या व्यवहारात्मक शक्ति में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन है जो अनुभूति के कारण होता है।

प्रकार :–

अधिगम के प्रमुख प्रकार निम्न है:–

1. गतिक अधिगम
2. भाषिक अधिगम

भाषिक अधिगम की विशेषताएँ :–

1. रेखाएँ मध्यवर्ती स्तर पर अधिगम की तीव्र गति से होने का बोध कराती है।
2. अधिगम वक्र के अंतिम भाग पर एक तिहाई भाग के अंतिम दशा का वर्णन किया जाता है।
3. निर्णयक सामग्री की खोज अपनी क्रमिक भाषिक अधिगम संबंधी पयोग के संदर्भ में कि जाती है।

भाषिक स्थिति का प्रभाव :–

भाषिक अधिगम स्थिति की उत्पन्न समस्या से उत्पन्न प्रभाव का मनोविज्ञानिक रूप में अध्ययन किया गया है तथा मनोविज्ञान अध्ययन अवरोध सिद्धांत के आधार पर विवेचना को प्रस्तुत किया जाता है।

समस्या :–

शाब्दिक अधिगम क्रमिक स्थिति प्रभाव का अध्ययन करना। अन्य शब्दों में मध्य क्रम स्थान कि शाब्दिक सामग्री का अधिगम कम होगा।

उपकल्पना :–

यह उपकल्पना की जाती है कि शाब्दिक सामग्री के अधिगम में क्रमिक स्थान अधिगम पाया जाएगा। अन्य शब्दों में, मध्य क्रम स्थान की शाब्दिक सामग्री की तुलना में प्रथम तथा अंतिम स्थान शाब्दिक सामग्री का अधिगम अधिक होगा।

परिवर्त्य :–

स्वतंत्र चर – शाब्दिक सामग्री की क्रमिक स्थिति

परतंत्र चर – अधिगम सामग्री की माप

विधि एवं प्रक्रिया :– प्रयोज्य का परिचय

नाम –

उम्र –

लिंग –

शिक्षा –

प्रायोगिक अभिकल्प :–

प्रस्तुत प्रयोग क्रमिक स्थिति प्रभाव का अध्ययन करने हेतु करवाया जाएगा। जिसमें पात्र को 15 त्रि–अक्षरों की एक सूची 5 मिनट अधिगम हेतु दी जाएगी इसके पश्चात् पात्र से याद किए हुए त्रि–अक्षरों का लिखित क्रमिक प्रत्यावहन लिया जाएगा एवं पात्र द्वारा दिए गए प्रत्यावहन के प्रथम, मध्य तथा अंतिम क्रम के त्रि–अक्षरों की संख्या को नोट कर लिया जाएगा एवं उपयुक्त परिणाम निकाल लिए जाऐंगे।

तालिका क्रमांक – 01

प्रायोगिक अभिकल्प

क्रमिक स्थिति	अधिगम कार्य	प्रत्यावहन	मापन
प्रथम (1–5)	15 त्रि–अक्षरों की एक सूची 5 मिनट अधिगम हेतु	अधिगमित त्रि–अक्षरों का लिखित क्रमिक प्रत्यावहन	प्रथम, मध्य तथा अंतिम क्रम स्थान के त्रि–अक्षरों की संख्या
मध्य (6–10)			
अंतिम (11–15)			

प्रायोगिक नियंत्रण :–

प्रयोग प्रारंभ करने के पूर्व तथा प्रयोग के दौरान निम्नलिखित सावधानियाँ रखी गयीः–

1. प्रयोज्य के साथ सौहाद्रपूर्ण संबंध स्थापित किए गए।
2. प्रयोगशाला का वातावरण शांत रखा गया।
3. प्रकाश की उपयुक्त व्यवस्था की गई।
4. पात्र के निष्पादन पर कोई टिका–टिप्पणी नहीं की गयी।
5. पात्र मनोविज्ञान का छात्र ना हो इस बात का ख्याल रखा गया।
6. प्रयोग प्रारम्भ करने के पूर्व पात्र से सारी सामग्री छुपा कर रखी गयी।
7. त्रि–अक्षरों का निर्माण करते समय यह ध्यान रखा गया कि अक्षर निर्रथक ही हो।

तालिका क्रमांक – 02

अवलोकन सारणी

क्रं.	प्रस्तुत त्रि–अक्षर	पात्र प्रत्यावहन	परिणाम	कुल एवं क्रम संख्या
1.	POS			
2.	HOC			
3.	AJK			
4.	NMP			
5.	LBP			
6.	JYX			
7.	IAE			
8.	TES			
9.	FEZ			
10.	USI			
11.	LHO			
12.	AIT			
13.	NCE			
14.	ECA			
15.	XTZ			

<u>प्रायोगकि निर्देश :–</u>

प्रयोग प्रारंभ करने के पूर्व पात्र को निम्नलिखित निर्देश दिए गए– देखिए मै आपके साथ साधारण सा प्रयोग करने जा रही हूँ जिसकी सफलता आपके सहयोग पर निर्भर करती है तथा आप मेरी बातों को ध्यानपूर्वक सुने एवं निर्देशों का पालन करने का प्रयास करें।

इस प्रयोग में आपको 15 त्रि–अक्षरों की एक सूची याद करने हेतु दी जाएगी जिसके लिए आपको 5 मिनट का समय दिया जाएगा समय समाप्त होने के पश्चात् आपसे याद किए हुए त्रि–अक्षरों का प्रत्यावहन लिया जाएगा। यदि प्रयोग संबंधी कोई भी बात आपको समझ में ना आयी हो तो बेहिचक पुछ ले।

प्रायोगिक प्रक्रिया :–

प्रस्तुत प्रयोग क्रमिक स्थिति प्रभाव अधिगम का अध्ययन करने हेतू किया गया। प्रयोगशाला का वातावरण शांत रखते हुए पात्र के साथ सौहाद्रपूर्ण स्थापित किए गए। पात्र को आरामपूर्वक बैठाकर सभी निर्देश बता दिए गए तथा प्रयोग प्रारम्भ किया गया।

इस प्रयोग में पात्र को 15 त्रि–अक्षरों की एक सूची 5 मिनट तक याद करने के लिए दी गयी। 5 मिनट के पश्चात् पात्र से सूची वापस लेकर याद किए गए त्रि–अक्षरों का प्रत्यावहन लिया गया तथा पात्र के द्वारा याद किए गए प्रत्यावहन का प्रथम, मध्य तथा अंतिम क्रम स्थिति में मापन कर उचित परिणाम निकाल लिया गया।

प्रदत्त विश्लेषण :–

प्रस्तुत प्रयोग क्रमिक स्थिति प्रभाव अधिगम का अध्ययन करने हेतु किया गया जिसमें पात्र ने 15 त्रि–अक्षरों की सूची में से प्रथम क्रम स्थिति में से ..... त्रि–अक्षरों को प्रत्यावहन किया जिसका प्रतिशत ..... रहा। मध्य क्रम स्थिति में पात्र ने ..... त्रि–अक्षरों का प्रत्यावहन किया जिसका प्रतिशत ..... रहा तथा अंतिम क्रम स्थिति में पात्र ने ..... त्रि–अक्षरों का प्रत्यावहन किया तथा प्रतिशत..... रहा।

तालिका क्रमांक – 03

प्रदत्त विश्लेषण

क्रमिक स्थिति	प्रस्तुत त्रि–अक्षर	प्रत्यावहित सही त्रि–अक्षर	प्रत्यावहित त्रि–अक्षर
प्रथम (1–5)			
मध्य (6–10)			
अंतिम (11–15)			

परिणाम एवं विवेचना :–

प्रस्तुत प्रयोग क्रमिक स्थिति प्रभाव का अध्ययन करन हेतु किया गया जिसकी समस्या यह थी कि शाब्दिक अधिगम क्रमिक स्थिति प्रभाव का अध्ययन करना। इस हेतु यह उपकल्पना बनायी गयी कि शाब्दिक सामग्री के अधिगम में क्रमिक स्थान प्रभाव पाया जाएगा। अन्य शब्दों

में, मध्य क्रम के स्थान की शाब्दिक सामग्री की तुलना में प्रथम तथा अंतिम स्थान की शाब्दिक सामग्री का अधिगम अधिक होगा।

पात्र को 15 त्रि–अक्षरों की सूची में से प्रथम क्रम स्थिति में से ..... त्रि–अक्षरों का प्रत्यावहन किया जिसका प्रतिशत ..... रहा। मध्य क्रम स्थिति में पात्र ने .....त्रि–अक्षरों का प्रत्यावहन किया जिसका प्रतिशत ..... रहा तथा अंतिम क्रम स्थिति में पात्र ने ..... त्रि–अक्षरों का प्रत्यावहन किया तथा ..... प्रतिशत रहा।

विवेचना :– पात्र स्वयं अपने विवेक से परिणाम के आधार पर विवेचना लिखेंगे।

.....

.....

.....

.....

दण्ड चित्र क्रमांक – 01

प्रथम, मध्य तथा अंतिम अवस्था में सही हल प्रतिशत